Government Post Graduate College, Berinag, Pithoragarh

Department of Physics

PROGRAM REPORT: 100 Years Journey of Quantum Mechanics

Venue: Physics Department **Date: 15 April 2026**

1. Introduction

The Department of Physics, Government Post Graduate College, Berinag, organized an academic and knowledge-enriching program on the theme **"100 Years Journey of Quantum Mechanics"** on 15 April 2026. The program was conducted under the able guidance and leadership of the Principal, Prof. Bishwa Mohan Pandey.

The event was aimed at commemorating the remarkable 100-year journey of Quantum Mechanics and highlighting its conceptual foundations, historical evolution, major scientific contributions, and future prospects. The program served as an important platform to enhance scientific awareness and promote academic engagement among students.

2. Objectives of the Program

The key objectives of the program were:

- To introduce students to the fundamental concepts of Quantum Mechanics.
- To provide an understanding of its historical development and key milestones.
- To highlight the contributions of eminent scientists in the field.
- To create awareness about modern applications of Quantum Mechanics.
- To encourage analytical thinking and scientific temperament among students.
- To develop communication and presentation skills through academic activities.

3. Details of the Program

The program commenced with an introductory note outlining the significance of Quantum Mechanics in modern science. The event focused on various aspects such as the origin, development, major discoveries, and future potential of Quantum Mechanics.
The keynote lecture was delivered by Dr. Lalit Singh, Assistant Professor, and Department of Physics, who presented the complex concepts of Quantum Mechanics in a simple, engaging, and accessible manner.
In his lecture, he elaborated on:

- Max Planck's introduction of quantum theory
- Albert Einstein's explanation of the photoelectric effect
- Heisenberg's Uncertainty Principle
- Schrödinger's Wave Equation
- The transition from classical to modern physics

He also emphasized the transformative role of Quantum Mechanics in emerging fields such as quantum computing, quantum cryptography, and nanotechnology, thereby connecting theoretical concepts with real-world applications.

4. Student Participation and Activities:

As part of the program, a speech competition was organized to encourage students' participation and enhance their understanding of the subject.
Students actively participated and presented insightful views on various aspects of Quantum Mechanics. Their presentations reflected clarity of concepts, analytical thinking, and confidence in expression.

5. Results of the Competition

The results of the speech competition were as follows:

- **First Position:** Saurabh Singh (B.Sc. VI Semester)
- **Second Position:** Neha Bohra (B.Sc. IV Semester)
- **Third Position:** Mansi Pant (B.Sc. VI Semester)

6. Judging Panel

The competition was evaluated by an esteemed panel of judges comprising:

- Dr. Laxman Singh Dev
- Dr. Pramesh Tamta
- Dr. Ashwani Kumar
- Dr. Pradeep Durgapal

The participants were judged on the basis of content, clarity, presentation skills, and subject understanding.

7. Impact on Teaching-Learning Process

The program had a significant positive impact on the teaching-learning environment:

- It enhanced students' interest in modern physics.
- It improved conceptual understanding of complex scientific theories.
- It encouraged students towards research and innovation.
- It strengthened communication and presentation skills.
- It promoted interactive and participative learning.

8. Relevance to NAAC Criteria:

The program aligns with the following NAAC criteria:

- Criterion II (Teaching-Learning and Evaluation):
  Promoted innovative and interactive teaching methodologies.
- Criterion III (Research, Innovations and Extension):
  Encouraged research orientation and scientific inquiry.
- Criterion V (Student Support and Progression):
  Facilitated holistic development through co-curricular activities.
- Criterion VII (Institutional Values and Best Practices):
  Fostered scientific awareness and academic excellence.

9. Conclusion

The program titled **"100 Years Journey of Quantum Mechanics"** was highly successful and impactful. It not only enriched students' knowledge but also inspired them to explore advanced concepts in physics and pursue research-oriented learning.

The active participation of students and faculty members contributed to the overall success of the event. Such initiatives play a vital role in enhancing academic quality and aligning institutional practices with NAAC standards.

The Department of Physics expressed its sincere gratitude to the Principal, all faculty members, judges, and participants for their valuable contribution in making the program a grand success.

Key Moments of the Program

AUGUSTIN JEAN FRESNE
100 YEARS
QUANTUM MECHANICS
Govt. P.G. College Berinag Pithoragarh
Department of Physics
is Celebrating
100 Years Journey of Quantum Mechanics
under the supervision of
Dr. B.M Pandey (Professor)
15 April 2026, 10:00 AM
Dr Lalit Singh
Physics Deptt
Dr Laxman Singh Dev
Physics Deptt
Dr Ramesh Tayal
Physics Deptt
1975

ENVENTOR OF THE BULB
THOMMAS ALVA EDITON
1847-1931
Dr. Vikram Sarabhai
ERNEST RUTHERFORD

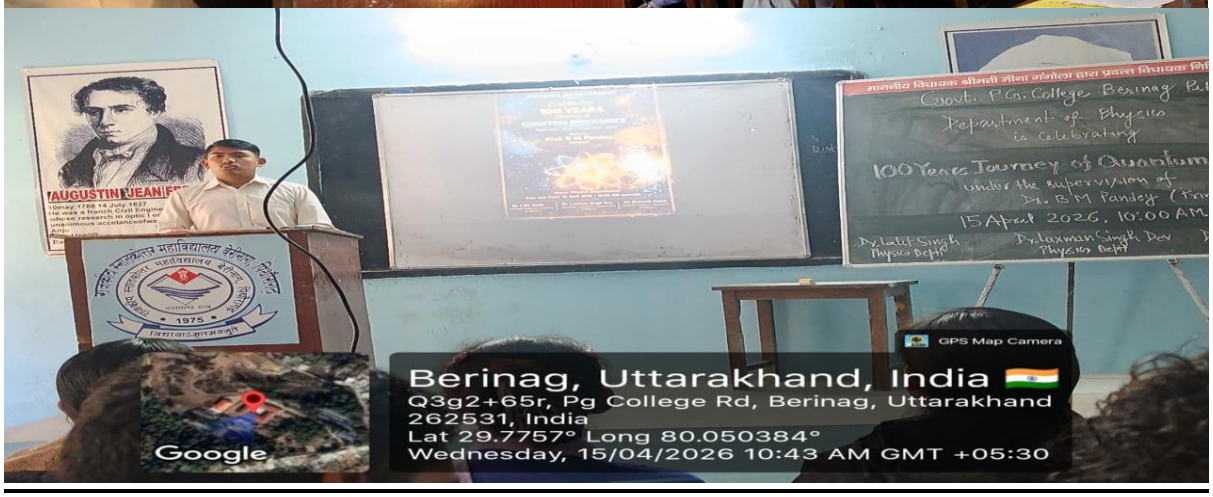
AUGUSTIN JEAN FRESNE
100 YEARS
QUANTUM MECHANICS
Govt. P.G. College Berinag
Department of Physics
is Celebrating
100 Years Journey of Quantum
under the supervision of
15 April 2026, 10:00 AM
Dr Lalit Singh
Physics Deptt
Dr Laxman Singh Dev
Physics Deptt
1975
GPS Map Camera
Berinag, Uttarakhand, India
Q3g2+65r, Pg College Rd, Berinag, Uttarakhand 262531, India
Lat 29.7757° Long 80.050384°
Wednesday, 15/04/2026 10:43 AM GMT +05:30
Google

Media Coverage:

https://www.newshomelive.co.in/a-declamation-competition-was-organized-on-the-completion-of-100-years-of-quantum-physics-under-the-auspices-of-the-department-of-physics-in-the-college/

NEWS LIVE
खबर वही जो सच हो

राज्य ~ अपना उत्तराखंड ~ सम्पादकीय मंडल राजनीति खेल शिक्षा ~ राशिफल व्यापार वीडियो अपनी

महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग के तत्वावधान में क्वांटम भौतिकी के सौ वर्ष पूरे होने पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

April 16, 2026 एनएचएल नेटवर्क

Listen to this

एनएचएल नेटवर्क

बेरीनाग।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा 'क्वांटम भौतिकी के सौ साल की यात्रा " विषय पर एक भव्य एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विश्वा मोहन पाण्डेय के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में क्वांटम मैकेनिक्स की उत्पत्ति, उसके वैज्ञानिक विकास, महत्वपूर्ण खोजों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ललित सिंह ने क्वांटम मैकेनिक्स जैसे जटिल विषय को सरल एवं रोचक शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने प्लांक, आइंस्टीन, हाइजेनबर्ग और श्रॉडिंगर जैसे महान वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए बताया कि किस प्रकार क्वांटम सिद्धांत ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक को नई दिशा दी है। उन्होंने क्वांटम कंप्यूटिंग, क्रिप्टोग्राफी एवं नैनो तकनीक जैसे क्षेत्रों में इसके बढ़ते उपयोग पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और अभिव्यक्ति क्षमता को उजागर किया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने क्वांटम मैकेनिक्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में सौरभ सिंह (बीएससी छठा सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नेहा बोहरा (बीएससी चौथा सेमेस्टर) द्वितीय तथा मानसी पंत (बीएससी छठा सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. लक्ष्मण सिंह देव, डॉ. प्रमेश टम्टा, डॉ. अश्वनी कुमार एवं डॉ. प्रदीप दुर्गापाल द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों के विचार, प्रस्तुति शैली एवं विषय की समझ के आधार पर निर्णय दिया। इस अवसर पर उपस्थित प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों के उत्साह और ज्ञान की सराहना की।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे पूरे परिसर में शैक्षिक एवं वैज्ञानिक वातावरण बना रहा। अंत में भौतिकी विभाग द्वारा सभी अतिथियों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हुआ तथा उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

भौतिकी के सौ वर्ष पूरे होने पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

रुद्र टाइम्स

बेरीनाग (पिथौरागढ़) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग के भौतिकी विभाग द्वारा "क्वांटम भौतिकी के सौ साल की यात्रा " विषय पर एक भव्य एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विश्वा मोहन पाण्डेय के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में क्वांटम मैकेनिक्स की उत्पत्ति, उसके वैज्ञानिक विकास, महत्वपूर्ण खोजों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ललित सिंह ने क्वांटम मैकेनिक्स जैसे जटिल विषय को सरल एवं रोचक शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने प्लांक, आइंस्टीन, हाइजेनबर्ग और श्रॉडिंगर जैसे महान वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए बताया कि किस प्रकार क्वांटम सिद्धांत ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक को नई दिशा दी है। उन्होंने क्वांटम कंप्यूटिंग, क्रिप्टोग्राफी एवं नैनो तकनीक जैसे क्षेत्रों में इसके बढ़ते उपयोग पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और अभिव्यक्ति क्षमता को उजागर किया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने क्वांटम मैकेनिक्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में सौरभ सिंह (बीएससी छठा सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नेहा बोहरा (बीएससी चौथा सेमेस्टर) द्वितीय तथा मानसी पंत (बीएससी छठा सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. लक्ष्मण सिंह देव, डॉ. प्रमेश टम्टा, डॉ. अश्वनी कुमार एवं डॉ. प्रदीप दुर्गापाल द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों के विचार, प्रस्तुति शैली एवं विषय की समझ के आधार पर निर्णय दिया। इस अवसर पर उपस्थित प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों के उत्साह और ज्ञान की सराहना की।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे पूरे परिसर में शैक्षिक एवं वैज्ञानिक वातावरण बना रहा। अंत में भौतिकी विभाग द्वारा सभी अतिथियों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हुआ तथा उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्वांटम भौतिकी विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में क्वांटम भौतिकी के सौ साल की यात्रा विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। गुरुवार को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बिश्वा मोहन पाण्डेय के मार्गदर्शन में भौतिक विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान क्वांटम मैकेनिक्स की उत्पत्ति, उसके वैज्ञानिक विकास, महत्वपूर्ण खोजों व भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. ललित सिंह ने क्वांटम मैकेनिक्स को सरल व रोचक शैली से समझाया।